आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 209 | उज्जैन, शुक्रवार 20 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

सीमा की रक्षा करने वाले जवानों और अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है प्रदेश सरकार-मुख्यमंत्री

65 करोड़ रुपए की लागत से होगा बेड़िया मंडी का विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार देश की सीमा पर जान की बाजी लगाने वाले और सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों तथा खेतों में कड़ी मेहनत कर अन्न पैदा करने वाले किसानों के सम्मान के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार कमजोर और गरीब वर्ग की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खरगोन जिले के बेड़िया में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत अम्बा-रोडिया माइक्रो उदवहन सिंचाई योजना का लोकार्पण सहित 266 करोड़ रुपए की लागत के 24 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। उन्होंने सिकलसेल के मरीजों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति के प्रमाण-पत्र तथा हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा है और विश्व में देश का नाम हो रहा है। हमारी सरकार किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं की जिंदगी बदलने और उन्हें खुशहाल बनाने का काम कर रही है। निमाड़ क्षेत्र में मां नर्मदा का पानी खेतों तक पहुंचाया जा रहा है और इससे खेतों में फसले लहलहा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसानों को सम्मान निधि देने की योजना बनाई है और किसानों को इसका लाभ भी मिल रहा है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां गेहूं पर किसानों को प्रति क्विंटल 2600 रुपए दिए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार कृषि को प्रोत्साहन दे रही है और किसानों को उद्यमी बनने के लिए काम कर रही है। प्रदेश सरकार कपास से धागा बनाने, उससे कपड़ा बनाने और रेडीमेड गारमेंट की फैक्ट्री लगाने का अभियान चला रही है।

देश के 20 राज्यों में हो सकती है भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में भीषण गर्मी के बाद लोगों को बारिश का इंतजार है। मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों के लिए अगले 24 घंटे में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 से लेकर 22 जून के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और गंगा के मैदान, बिहार, झारखंड, ओडिशा में गरज के साथ भारी बारिश हो सकती है।

19, 22 और 23 जून को उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने ओडिशा और झारखंड में आज और कल के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

किस राज्य में कब होगी बारिश- मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि आज बिहार में भारी बारिश हो सकती है। 19 और 20 जून को झारखंड में तेज बारिश हो सकती है। 19-24 जून के दौरान गुजरात, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है।

19 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में मूसलाधार बारिश की संभावना जताई गई है।

आम लोग नहीं कर सकते पेट्रोल पंप पर टॉयलेट का इस्तेमाल, केरल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पब्लिक वॉशरूम को लेकर केरल हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसके तहत ये कहा गया है कि पेट्रोल पम्पों पर मौजूद शौचालय आम जनता के इस्तेमाल के लिए नहीं है।

पेट्रोल पंप मालिकों की तरफ से कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की गई थी कि पंपों पर मौजूद शौचालयों को सार्जनिक न किया जाए। राज्य सरकार और स्थानीय निकायों द्वारा पेट्रोल पंप पर मौजूद शौचालयों को सार्वजनिक सुविधा के रूप में वर्गीकृत करने पर पंप मालिकों ने इस पर आपत्ति जताई थी।

हाई कोर्ट ने पंप मालिकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा है कि पेट्रोल पंप पर मौजूद शौचालय केवल ग्राहकों की इमरजेंसी यूज के लिए हैं और यह आम जनता के इस्तेमाल के लिए नहीं है। अंतरिम आदेश में सरकार को आदेश दिया गया है कि पेट्रोल पंप के शौचालयों को आम जनता के इस्तेमाल के लिए अनिवार्य नहीं किया जाए।

सरकार ने विमान सुरक्षा से जुड़े नियम किए सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली संरचनाओं पर कंट्रोल करने के लिए बुधवार को नए नियम जारी किए हैं।

एअरक्राफ्ट (डेमोलिशन ऑफ ऑब्सट्रक्शन) नियम, 2025 नामक ड्राफ्ट आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद लागू कर दिया जाएगा। इस नियम के तहत हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्रों में ऊंचाई सीमा से अधिक ऊंचाई वाले भवनों और पेड़ों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी।

भवन मालिकों को भेजे जाएंगे नोटिस- भवन मालिकों को नोटिस मिलने के दो महीने के भीतर संरचना के आयाम और साइट की योजना के साथ ही विस्तृत जानकारी पेश करनी होगी। अगर कोई नियम का पालन नहीं करेगा तो इमारत को ध्वस्त भी किया जा सकता है या ऊंचाई कम की जा सकती है।

संरचनाओं के भौतिक सत्यापन के लिए, मालिकों को सूचित करने के बाद अधिकारी दिन के उजाले में परिसर में प्रवेश कर सकते हैं और ऐसे में अधिकारियों का सहयोग नहीं करने पर वे उपलब्ध जानकारी के आधार पर कार्रवाई कर सकते हैं और मामले को ष्ठत्रष्ट को भेज सकते हैं।

युद्धग्रस्त ईरान से निकाले गए 110 भारतीय छात्रों का जत्था पहुंचा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। युद्धग्रस्त ईरान से अर्मेनिया में निकाले गए 100 से अधिक छात्रों को लेकर पहली उड़ान गुरुवार को तड़के दिल्ली पहुंची। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच, तेहरान में भारतीय छात्रों को शहर से बाहर निकाला गया, जिनमें से 110 छात्र ऑपरेशन सिंधु के तहत मंगलवार को भारतीय दूतावास द्वारा की गई व्यवस्था के माध्यम से सीमा पार कर अर्मेनिया चले गए।

सभी शेष छात्रों को जल्द ही निकाल लिया जाएगा- जम्मू और कश्मीर छात्र संघ ने निकासी अभियान शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को धन्यवाद दिया। एसोसिएशन ने एक बयान में कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी शेष छात्रों को जल्द ही निकाल लिया जाएगा।

परिवार वाले दे रहे सरकार को धन्यवाद- कुछ छात्रों के माता-पिता अपने बच्चों के लिए हवाई अड्डे के बाहर उत्सुकता से इंतजार करते देखे गए। ईरान में एमबीबीएस के छात्र 21 वर्षीय माज हैदर के पिता हैदर अली ने बचाव प्रयासों के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने पीटीआई से कहा कि हम वाकई बहुत खुश हैं। छात्रों को सुरक्षित घर वापस लाया गया है। हम इसके लिए भारत सरकार को धन्यवाद देते हैं। लेकिन हमें दुख है कि तेहरान में फंसे छात्रों को नहीं बचाया जा सका है। उन्होंने अधिकारियों से तेहरान में फंसे छात्रों को निकालने का आग्रह किया।

बेटी पढ़ाओ- बेटी बचाओ अभियान का असर अब देश में दिखने लगा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेटियों को पढ़ाने को लेकर दस साल पहले यानी 2015 में शुरू किए गए बेटी पढ़ाओ- बेटी बचाओ अभियान का असर अब देश में दिखने लगा है। दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में बेटियों के पास होने का प्रतिशत कुल छात्रों के मुकाबले न सिर्फ बढ़ा है, बल्कि अच्छे नंबरों से पास होने का उनका प्रतिशत भी बढ़ा है। इतना ही नहीं, विज्ञान जैसे विषयों में पढ़ाई को लेकर भी उनका रुझान पिछले एक दशक में बढ़ा है। इनमें एससी और एसटी वर्ग की बेटियों का बढ़ा प्रतिशत और भी ज्यादा चौंकाने वाला है।

पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने वायुसेना के लिए पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को स्वदेश में ही डिजाइन एवं विकसित करने की दिशा में अहम कदम बढ़ाया है।

एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) ने पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के विकास में भागीदार बनने के लिए भारतीय कंपनियों को आमंत्रित किया है। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एएमसीए कार्यक्रम के %कार्यान्वयन मॉडल% को मंजूरी दी थी।

ऐसे शॉर्टलिस्ट की जाएंगी कंपनियां

रक्षा मंत्रालय के तहत कार्यरत एडीए ने बुधवार को एक एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किया। इसके अनुसार, ईओआई का उद्देश्य उन भारतीय कंपनियों को शॉर्टलिस्ट करना है जो तकनीकी रूप से एएमसीए के विकास, प्रोटोटाइप निर्माण और उड़ान परीक्षण में समक्ष हैं। आवेदक एकल कंपनी, संयुक्त उद्यम या कंपनियों के संघ के रूप में हो सकता है, जो सभी भारतीय कानूनों और विनियमों का पालन करता हो। दो इंजन वाले एएमसीए को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा उद्योगों की साझेदारी से विकसित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि गत मई में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एएमसीए कार्यक्रम के %कार्यान्वयन मॉडल% को मंजूरी दी थी। वर्तमान में सिर्फ दो देशों अमेरिका (एफ-22 एवं एफ-35) और चीन (जे-20 एवं जे-35) के पास पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ लड़ाकू विमान हैं। भारत इसे विकसित करने वाला तीसरा देश बन जाएगा।

इजरायल ईरान के परमाणु प्रोग्राम को अपने वजूद पर खतरा मानता है

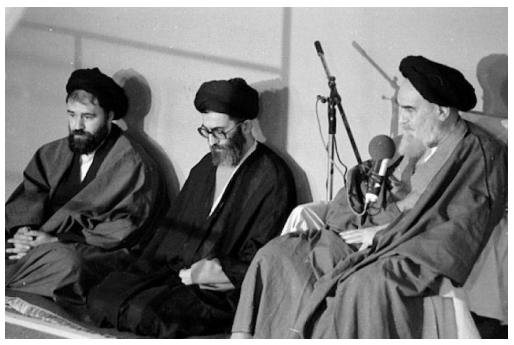

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में सैन्य और सियासी तनाव एक बार फिर चरम पर है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कथित बयान ने दुनिया का ध्यान खींचा है, जिसमें उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को निशाना बनाने की बात कही। इस बयान ने न सिर्फ क्षेत्रीय समीकरणों को हिला दिया है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी हलचल मचा दी है। हाल ही में इजरायल ने ईरान पर मिसाइल हमले शुरू किए। इसके पीछे तर्क था कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है, जिससे इजरायल के वजूद को खतरा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक इंटरव्यू में कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या से दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध और तनाव खत्म हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इजरायल की सैन्य कार्रवाई संघर्ष को बढ़ावा देने की नहीं, बल्कि उसे खत्म करने की दिशा में है।

नेतन्याहू ने ये बयान तब दिया था जब इजरायल की उस योजना को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खारिज कर दिया जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई को मारने की बात कही गई थी।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफोर्म ट्रूथ पर लिखा था, ÷हमें अच्छी तरह पता है कि तथाकथित सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हुए हैं। वह एक आसान टारगेट हैं, लेकिन वहां सुरक्षित हैं। हम उन्हें मारने नहीं जा रहे, कम से कम अभी के लिए नहीं। लेकिन हम यह भी नहीं चाहते कि आम नागरिकों या अमेरिकी सैनिकों पर मिसाइल दागी जाएं।÷

दरअसल इजरायल का मानना है कि ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद उसके अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इस खतरे को वह ईरान के सुप्रीम लीडर से जोड़कर देखता है। इस्लामिक क्रांति से पहले ईरान और इजरायल के बीच सौहार्दपूर्ण रहे हैं। ईरान में इस्लामिक क्रांति लाने वाले नेताओं में जो नेता थे उनमें अब खामेनेई ही जिंदा बचे हैं।

इजरायल चाहता है कि सुप्रीम लीडर को रास्ते से हटा दिया जाए, क्योंकि ईरान मिडिल ईस्ट में कई प्रॉक्सी संगठन को शह देता है जो इजरायल के लिए खतरा हैं।

खामेनेई कैसे बने सुप्रीम लीडर- अयातुल्ला अली खामेनेई का नाम आज ईरान की सियासत का पर्याय बन चुका है। 1989 में वे ईरान के सुप्रीम लीडर बने, जब उनके पूर्ववर्ती अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी का इंतकाल हुआ। खामेनेई का सियासी सफर 1960 के दशक से शुरू हुआ, जब वे खुमैनी के करीबी सहयोगी थे। 1979 की इस्लामी क्रांति में उनकी अहम भूमिका रही, जिसने शाह रजा पहलवी की सल्तनत को उखाड़ फेंका और ईरान को इस्लामी गणराज्य बनाया।

हिटलर का प्यारा, 60 लाख यहूदियों का हत्यारा... कौन था आइशमैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद का जिक्र होते ही उसके कई घातक मिशन की याद ताजा हो जाती है। हमास चीफ को मारने से लेकर हिजबुल्लाह के खात्मे तक की प्लानिंग मोसाद ने ही रची थी। ऐसा ही एक मिशन को मोसाद ने 65 साल पहले अंजाम दिया था, जब ऑपरेशन का बदला ऑपरेशन से लिया गया और 60 लाख यहूदियों के कत्ल का इंतकाम पूरा हुआ।

%फाइनल सोल्यूशन% का बदला

दरअसल, एडोल्फ आइशमैन ने %फाइनल सोल्यूशन% चलाकर लाखों यहूदियों का खात्मा किया। फाइनल सोल्यूशन एक कोड था, जिसे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के कब्जे वाले इलाके से यहूदियों के

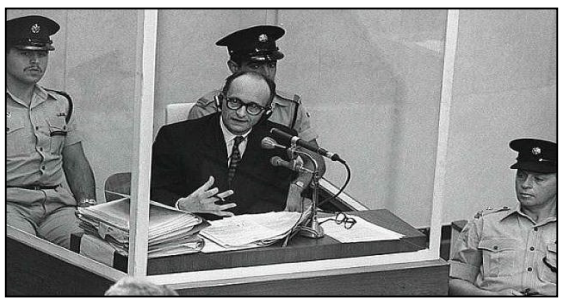

खात्मे के लिए रखा गया था। यहूदियों को मारने के ऑपरेशन का जिम्मा आइशमैन को ही मिला था। आइशमैन यहूदियों की पहचान करता, उन्हें इकट्ठा करना और फिर उन्हें मारना। यहूदियों को मारने का काम आइशमैन इससे पहले भी कर चुका था, पराग्वे और ऑस्ट्रिया में भी वो ऐसा कत्लेआम मचाकर आया था।

जब आइशमैन की मिली सूचना- हिटलर के मरने के बाद ज्यादातर नाजी नेताओं ने या तो आत्महत्या कर ली, या भाग गए। ऐसे ही आइशमैन भी भाग खड़ा हुआ। इसके बाद 1948 में इजरायल एक नया देश बना और मोसाद का पूरा स्वरूप बदला। इसी बीच 1957 को मोसाद को एक गुप्त सूचना मिली की आइशमैन नाम बदलकर अर्जेंटीना में रह रहा है।

यहीं से ऑपरेशन फिनाले की शुरुआत हुई। उस समय अर्जेंटीना और इजरायल में कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं थी। इसका मतलब था कि उसे कानूनी रूप से लाना असंभव था, इसी कारण मोसाद ने उसे अपने तरीके से लाने की प्लानिंग शुरू कर दी।

ऐसे पकड़ा गया यहूदियों का हत्यारा- योजना बनाई गई कि 10 मई 1960 को आइशमैन को पकड़ा जाएगा और इजरायल लाया जाएगा। मोसाद को पता चला था कि आइशमैन रोज शाम को बस से अपने घर आता है और उसे वहीं से किडनैप करना है। इसके बाद मोसाद के खुफिया एजेंट्स वहां रुककर इंतजार करने लगे।

अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग केस में नपे दो भारतीय छात्र, बुजुर्गो से कर रहे थे धोखाधड़ी

अनई दिल्ली (एजेंसी)। मेरिका में अध्ययन कर रहे दो भारतीय नागरिकों को अलग-अलग धोखाधड़ी मामलों में जेल की सजा सुनाई गई है। उनपर बुजुर्गो को निशाना बनाकर लाखों डालर की धोखाधड़ी का आरोप है।

छात्र वीजा पर अमेरिका में प्रवेश करने वाले 20 वर्षीय किशन राजेशकुमार पटेल को इस सप्ताह मनी लांड्रिंग मामले में दोषी पाए जाने के बाद 63 महीने की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) के अनुसार, पटेल ने आनलाइन साजिश के तहत उन्हें शिकार बनाया था।

इसमें उसने खुद को अमेरिकी अधिकारी के रूप में प्रस्तुत कर बुजुर्गों को डराया भी था। सह-प्रतिवादी ध्रुव राजेशभाई मंगुकिया ने 16 जून 2025 को अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। अभी उसे सजा नहीं सुनाई गई है। एक अन्य मामले में भारतीय छात्र मोइनुद्दीन मोहम्मद को इसी तरह के घोटाले के लिए आठ साल की जेल की सजा सुनाई गई है। उसने बुजुर्गों से लगभग 60 लाख डालर की ठगी को अंजाम दिया था। छात्र वीजा पर अमेरिका में प्रवेश करने वाले 20 वर्षीय किशन राजेशकुमार पटेल को इस सप्ताह मनी लांड्रिंग मामले में दोषी पाए जाने के बाद 63 महीने की सजा सुनाई गई है।

रूस के डिप्टी विदेश मंत्री सर्गेई रयाबको ने अमेरिका को दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बीते कई दिनों से जारी है। दोनों ही देश एक-दूसरे पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला कर रहे हैं। इजरायल को अमेरिका का खुले तौर पर समर्थन है और माना जा रहा है कि अमेरिका इजरायल के समर्थन में मिलिट्री मदद भेज सकता है।

अब तक अलग-थलम पड़े ईरान को अब रूस का साथ मिल रहा है। रूस ने अमेरिका को वॉर्निंग दे दी है कि अगर उसने इजरायल को डायरेक्ट मिलिट्री सहायता दी, तो मिडिल ईस्ट में स्थित अस्थिर होने में देर नहीं लगेगी।

रूस ने ट्रंप को चेताया-न्यूज एजेंसी एएफपी के अनुसार, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि हम अमेरिका को इस संघर्ष में सैन्य हस्तक्षेप के खिलाफ चेतावनी देना चाहते हैं। अगर ऐसा हुआ, तो इसके खतरनाक परिणाम होंगे। जखारोवा ने कहा कि इजरायल ईरान के न्यूक्लियर इंफ्रास्ट्रक्चर पर जिस तरह हमला कर रहा है. इसका मतलब है कि दुनिया तबाही से कुछ मिलीमीटर दूर है।

ईरान ने मिसाइल अटैक से इजरायल के बड़े अस्पताल को निशाना बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के काउंटर अटैक में इजरायल को आज बड़ा नुकसान पहुंचा है। ईरान ने दक्षिणी इजराइल के एक बड़े अस्पताल में अपनी बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस हमले से इजरायल का अस्पताल ध्वस्त हो गया। कई लोग घायल बताए जा रहे हैं।

हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरान को इसका बहुत बड़ा अंजाम भुगतना होगा।

कई किलोमीटर तक दिखा धुएं का गुब्बार- ईरान के हमले के बाद इजरायली अस्पताल सोरोका मेडिकल सेंटर के ऊपर कई किलोमीटर दूर से ही धुएं के गुबार देखने को मिले।

अस्पताल पर हुए मिसाइल अटैक के बाद वहां चीख पुकार मच गई।

इजरायली मीडिया ने टूटी खिड़कियों और काले धुएं के फुटेज जारी किए हैं।

वहीं, ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों ने तेल अवीव के पास दो स्थानों पर ऊंची इमारतों और कई आवासीय भवनों को निशाना बनाया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हमलों में कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं। दो डॉक्टरों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हवाई हमले के सायरन बजने के तुरंत बाद मिसाइल ने हमला किया, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ।

मोसाद ने खामेनेई की नाक के नीचे से उड़ाए थे परमाणु दस्तावेज, वो रात जब ईरान की उड़ी गई थी नींद

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष लगातार गहराता जा रहा है। इस संघर्ष में अमेरिका सहित कई देशों की दखल बढ़ती जा रही है। 13 जून की सुबह से शुरू हुए इस संघर्ष का अंत कब होगा इसका जवाब किसी के पास नहीं है। हर बीते दिन के साथ ईरान और इजरायल में लोगों की मौत की संख्या में इजाफा हो रहा है।

इजरायल और उद्देश्य है कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। ईरान कई दशकों से परमाणु हथियार बनाने की कोशिश में जुटा है। वहीं, अमेरिका और इजरायल ने कई बार ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने की कोशिश कर चुके हैं।

साल 2018 में भी इजरायल ने ईरान में सेंधमारी की थी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने मोसाद ने एक बड़ा ऑपरेशन चलाया था। दअसल, ईरान में परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी बेहद कम लोगों के साथ शेयर की जाती है। इन जानकारियों को सीडी या फाइलों में किसी सीक्रेट स्थान पर रखा जाता है। करीब 8 साल पहले इजरायली खुफिया विभाग यानी मोसाद के एजेंट को इस जगह की जानकारी मिल गई। मोसाद ने इस जगह में दाखिल होकर परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी को इकट्ठा करने का प्लान बनाया।

ईरान के समर्थन में कोई भी खुले तौर पर सामने नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के नक्शे पर देखकर अगर आपको किसी ऐसे देश के बारे में बताना हो, जो चारों ओर से दुश्मनों से घिरा हो, तो बिना हिचके शायद आप अपनी अंगुलि इजरायल पर रख देंगे। इजरायल, जिसके एक ओर लेबनान है, तो दूसरी ओर फिलीस्तीन। इसके नाक में यमन ने भी दम कर रखा है और इराक के शिया मिलिशिया ने भी।

लेकिन इजरायल के ये सारे दुश्मन एक दिन में नहीं पनपे। बीते 4 दशक में ईरान ने मिडिल ईस्ट में इन्हें खड़ा किया है। मकसद सिर्फ एक- अमेरिका और इजरायल की ताकत का काउंटर तैयार करना और इनसे सीधे टकराव से बचना। लेकिन अब जब ईरान और इजरायल सीधे संघर्ष में शामिल हो गए हैं, तो ईरान के समर्थन में कोई भी खुले तौर पर सामने नहीं आया है।

क्यों चुप बैठे हैं ईरान के समर्थक- लेबनान का कट्टरपंथी शिया पैरामिलिट्री ग्रुप हिजबुल्लाह ईरान का सबसे बड़ा प्रॉक्सी माना जाता है। बीते कुछ सालों में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच कई बार संघर्ष हुआ और हसन नसरल्लाह समेत हिजबुल्लाह के कई बड़े लीडर मारे गए। अब हिजबुल्लाह इतना कमजोर हो चुका है कि वह ईरान के साथ खड़ा होकर अपनी स्थिति को बदतर नहीं करना चाहेगा। उधर गाजा में फिलीस्तीनी संगठन हमास लंबे समय से इजरायल से संघर्ष कर रहा है और इसमें हमास के कई बड़े नेता ढेर हो चुके है। गाजा पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो चुका है और ईरान से कुछ खास समर्थन नहीं मिलने के बाद हमास भी अब खामेनेई के पक्ष में खड़ा नहीं होगा।

कर्नाटक की सरकार भीड़ प्रबंधन के लिए नया विधेयक लाने की योजना बना रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की सरकार भीड़ प्रबंधन के लिए नया विधेयक लाने की योजना बना रही है। विधेयक के मुताबिक, अगर भविष्य में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ जैसी घटनाएं घटती है तो मैनेजमेंट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विधेयक के अनुसार, प्रबंधन से जुड़े व्यक्ति को 3 साल की सजा और 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

बता दें कि भीड़ प्रबंधन कानून में क्रिकेट और फुटबॉल मैचों, विवाह और राजनीतिक समारोहों जैसे आयोजनों में अधिकतम लोगों की अनुमति निर्दिष्ट की जाएगी। मेलों और धार्मिक समारोहों में भगदड़ जैसी कोई घटना नहीं हुई है, इसलिए यह कानून उन आयोजनों पर लागू नहीं होगा।

स्टेडियम के बाहर मची थी भगदड़

बता दें कि आईएपीएल के 18वें सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु चैंपियन बनी थी। इसके बाद 4 जून को उनकी जीत का उत्सव मनाने के लिए बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के फैंस बड़ी तादाद में जमा हुए थे। हालाकि, भीड़ अचानक अनियंत्रित हो गई थी। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 से अधिक लोग घायल हुए थे। स्टेडियम की क्षमता 35,000 थी, लेकिन लगभग 2-3 लाख लोग पहुंच गए थे। बता दें कि आईएपीएल के 18वें सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु चैंपियन बनी थी। इसके बाद 4 जून को उनकी जीत का उत्सव मनाने के लिए बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैंस बड़ी तादाद में जमा हुए थे। हालाकि, भीड़ अचानक अनियंत्रित हो गई थी।

इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 से अधिक लोग घायल हुए थे। स्टेडियम की क्षमता 35,000 थी, लेकिन लगभग 2-3 लाख लोग पहुंच गए थे।

स्पाइसजेट के विमान में तकनीकी खराबी, तिरुपति जा रही फ्लाइट वापस हैदराबाद लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानों में बीच उड़ान के दौरान खराबी का एक और मामला सामने आया है। हैदराबाद-तिरुपति स्पाइसजेट की एक फ्लाइट गुरुवार को उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही खराबी के कारण शहर लौट आई। सूत्रों ने बताया कि फ्लाइट (स्त 2696) को सुबह 6.10 बजे रवाना होना था। फ्लाइट ने सुबह 6.19 बजे उड़ान भरी और उसे सुबह 7.40 बजे तिरुपति में उतरना था। लेकिन उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही वापस हैदराबाद में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतर गई।

एयरलाइन की ओर से क्या कहा गया- स्पाइसजेट ने विमान के वापस लौटने के बाद बयान जारी कर कहा कि विमान में टेक-ऑफ के बाद AFT बैगेज डोर लाइट में रुक-रुक कर रोशनी आई। इस वजह से एहतियातन वापस हैदराबाद लैंडिंग कराई गई।

एयरलाइन ने कहा, पूरे समय केबिन में दबाव सामान्य रहा। एहतियात के तौर पर, पायलटों ने हैदराबाद लौटने का फैसला किया। विमान सुरक्षित रूप से उतरा और यात्रियों को सामान्य तरीके से विमान से उतारा गया। विमान ने आपातकालीन लैंडिंग नहीं की। तिरुपति की आगे की यात्रा संचालित करने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है।

दुर्घटनाग्रस्त एअर इंडिया विमान का ब्लैक बॉक्स अमेरिका भेजने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में क्रैश हुए एअर इंडिया विमान से बरामद ब्लैक बॉक्स को अब अमेरिका भेजा जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार उसके विश्लेषण के लिए अमेरिका भेजना पड़ सकता है। इस दुर्घटना में एअर इंडिया का बोइंग 787 विमान क्रैश हो गया था, जिसमें सवार 241 लोग और जमीन पर 33 लोगों की जान चली गई थी।

क्यों भेजा जा रहा अमेरिका

अंग्रेजी अखबार श्वञ्ज की रिपोर्ट के अनुसार, रिकॉर्डर को दुर्घटना के बाद लगी आग से भारी नुकसान पहुंचा है। यही कारण है कि भारत में इसका डेटा निकालना असंभव हो गया है और इसे अमेरिका भेजा जा सकता है।

भारतीय अधिकारी एअर इंडिया बोइंग ड्रीमलाइनर की दुर्घटना की जांच कर रहे हैं, जिसमें सवार 241 लोग और जमीन पर 33 लोग मारे गए थे। इसे एक दशक में दुनिया का सबसे भीषण विमान हादसा गिना जाता है।

अभी नहीं आया आधिकारिक बयान - भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने मामले पर टिप्पणी के लिए रायटर्स के सवालों का तुरंत जवाब नहीं दिया। एअर इंडिया ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

जब कवच बनी टेबल- अहमदाबाद विमान हादसे में सीट संख्या 11ए पर रहे यात्री के समान मेडिकल कालेज के मेस में द्वितीय वर्ष के छात्र रितेश कुमार की जान आश्चर्यजनक तरीके से बच गई।

अब 12 घंटे तक ऑफिस में करना होगा काम... इस राज्य में सरकार बदलने जा रही कानून, शुरु हुआ विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ दुनिया 4 दिन के वर्किंग कल्चर की ओर बढ़ रही है और काम के घंटों को कम करके कर्मचारियों के तनाव को कम करने पर चर्चा हो रही है, तो वहीं दूसरी तरफ हमारे देश के एक राज्य में डेली वर्किंग ऑवर को बढ़ाकर 12 घंटे करने का प्लान है। हम बात कर्नाटक की कर रहे हैं। कर्नाटक सरकार कर्नाटक शॉप्स एंड कमर्शियल एस्टेब्लिशमेंट्स एक्ट, 1961 में संशोधन करने जा रही है। अगर ये बदलाव हो गए, तो कर्नाटक में काम करने के घंटे 9 से बढ़कर ओवरटाइम सहित 12 हो जाएंगे।

12 घंटे तक हो जाएगी शिफ्ट- दरअसल कर्नाटक सरकार चाहती है कि राज्य में काम करने वाली सभी कर्मचारी अब 12 घंटे तक ऑफिस में काम करें। सरकार का मानना है कि इससे प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी। हालांकि कर्नाटक के कर्मचारी संगठन इससे इत्तिफाक नहीं रखते।

कर्नाटक राज्य आईटी/आईटीईएस कर्मचारी संघ यानी केआईटीयू ने इस कदम का विरोध किया है। बुधवार को श्रम विभाग की बैठक में भी ट्रेड यूनियनों ने प्रस्ताव के विरोध में अपनी बात रखी। संगठनों का कहना है कि इससे एक तिहाई वर्कफोर्स समाप्त हो जाएगा।

कर्मचारियों से एकजुट होने की अपील- केआईटीयू ने स्टेट इमोशनल वेलबीइंग रिपोर्ट 2024 का हवाला देते हुए कहा है कि 25 वर्ष से कम आयु के 90 प्रतिशत कॉर्पोरेट कर्मचारी चिंता से पीड़ित हैं और सरकार की कोशिश कर्मचारियों को छोड़कर कॉर्पोरेट मालिकों को खुश करने की है। ट्रेन यूनियनों ने लोगों से प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया है।

दुनिया में वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर हो रही चर्चा कर्नाटक में आकर वर्क-ऑवर बैलेंस पर खड़ी हो गई है। सोशल मीडिया पर भी कर्नाटक सरकार को इस प्रस्ताव के लिए काफी आलोचना झेलनी पड़ी रही है।

ट्रंप और आसिम मुनीर की मुलाकात पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को लंच मीटिंग के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को आमंत्रित किया था। यह मुलाकात व्हाइट हाउस में हुई थी। ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान में संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए आसिम मुनीर की तारीफ की थी। इस मुलाकात को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने टिप्पणी की है। थरूर ने कहा कि अमेरिका को साल 2001 में वर्ल्ड ट्रेड टावर पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार अलकायदा के चीफ ओसामा बिन लादेन को भूलना नहीं चाहिए। जब अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को ढूंढा तो वो कहीं और नहीं पाकिस्तान में ही रह रहा था।

अमेरिका को पाकिस्तान की गलती नहीं भूलनी चाहिए- शशि थरूर - शशि थरूर ने कहा,कुछ सीनेटर्स और सांसदों ने पाक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। लेकिन अमेरिका के लोग ओसामा बिन लादेन को इतनी जल्दी नहीं भूल सकते। इस व्यक्ति पाकिस्तान ने शरण दी थी। पाकिस्तान की इस गलती को अमेरिका को नहीं भूलना चाहिए। वहीं, पाकिस्तान पोषित आतंकवादी लगातार भारत में आतंकी हमले को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा,मुझे उम्मीद है कि डाइनिंग टेबल पर राष्ट्रपति ट्रंप ने आसिम मुनीर को पाकिस्तान पोषित आतंकियों को लेकर सवाल पूछे होंगे। बता दें कि भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान सेना का अहम रोल है। खासकर पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर का।

वहीं, ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में मारे गए आतंकियों के जनाजे में जिस तरह पाकिस्तान की सेना अधिकारियों की मौजूदगी थी, उसने दुनिया को यह दिखाया कि पाकिस्तान की सेना किस हद तक आतंकियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहती है।

ठग लाइफ की कर्नाटक में स्क्रीनिंग में अड़चन पैदा करने वालों को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेता से नेता बने कमल हासन की नई फिल्म ठग लाइफ की कर्नाटक में स्क्रीनिंग में अड़चन पैदा करने वालों को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक सरकार से कहा कि यह आपका कर्तव्य है कि आप ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें, जो ऐसी धमकियां देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अड़चन डालने वालों के खिलाफ राज्य सरकार से कार्रवाई की योजना भी मांगी। कर्नाटक सरकार ने अदालत को कार्रवाई का आश्वासन दिया और कहा कि अगर फिल्म अभी रिलीज होती है तो सभी सीनेमाघरों में पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

क्या है मामला- इस बीच, पुलिस ने कन्नड़ समर्थक समूहों को नोटिस जारी किया है, जिन्होंने कन्नड़ भाषा के बारे में अभिनेता की टिप्पणी को लेकर फिल्म को रोकने की धमकी दी थी। इसके साथ ही अदालत ने कमल हासन को अपनी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगने की बात भी कही है।

प्रदर्शनकारियों ने अभिनेता ने मांफी मांगने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने इस तरह के चलन पर दुख जताया। कोर्ट ने कहा कि क्या सिर्फ एक राय के कारण एक फिल्म या एक स्टैंड-अप कॉमेडी शो को रोक दिया जाना चाहिए?

इस बीच, कमल हासन ने कहा कि वह राज्य के जवाब से संतुष्ट हैं और मामले को बंद करना चाहते हैं। हालांकि, मूल याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ए वेलन ने मामले को बंद करने का अनुरोध किया और धमकी देने वालों के खिलाफ दिशा-निर्देश और आपराधिक कार्यवाही की मांग की।

कौन हैं मूल याचिकाकर्ता- मूल याचिकाकर्ता महेश रेड्डी ने पिछले सप्ताह सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जब कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य को यह निर्देश देने से इनकार कर दिया था कि वह सुनिश्चित करे कि ठग लाइफ की रिलीज को रोका न जाए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल नवमी

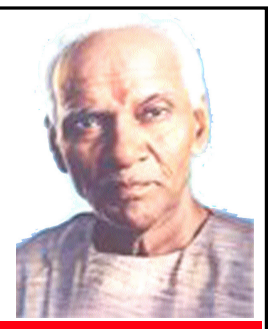

संपादकीय

हवाई यात्रा, आधुनिक युग की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक...

हवाई यात्रा, आधुनिक युग की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक, ने दूरी को कम कर दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया है। लेकिन जब यही तकनीक जीवन का अंत बन जाए, तो यह न केवल एक त्रासदी होती है, बल्कि हमारी प्रणालियों की कमियों को भी उजागर करती है। हाल ही में गुजरात में हुआ चार्टर्ड विमान हादसा इस बात का दुखद उदाहरण है। इस हादसे ने न केवल कई परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाई, बल्कि विमानन सुरक्षा और प्रणालियों पर गंभीर सवाल भी खड़े किए हैं। इस हृदय विदारक दुर्घटना के बाद इसके कारणों, प्रभावों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा करना भी आवश्यक है ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

हादसा और इसके संभावित कारण- प्राथमिक जांच के अनुसार, यह हादसा उड़ान के दौरान इंजन फेल होने या नेविगेशन सिस्टम की विफलता के कारण हुआ। हालांकि मृत्यु संख्या की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। इस हादसे ने एक बार फिर विमानन सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं।

विश्व स्तर पर देखें तो विमानन इतिहास में 33,000 से अधिक हवाई दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 1.2 लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भारत में 1945 के बाद से 300 से अधिक बड़े और छोटे हवाई हादसे हुए हैं, जिनमें लगभग 2,000 लोगों की मृत्यु हुई है। गुजरात में ही अहमदाबाद के पास 1988 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट IC-113 के दुर्घटनाग्रस्त होने से 113 लोगों की मौत हुई थी, जो तकनीकी खराबी और कम दृश्यता के कारण हुआ था।

हादसों के प्रमुख कारण - तकनीकी खराबी- इंजन फेल होना, सेंसर या हाइड्रोलिक सिस्टम की खराबी, या नेविगेशन उपकरणों का काम न करना। उदाहरण के लिए, इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के अनुसार, 20 प्रतिशत टेकऑफ दुर्घटनाएं तकनीकी खराबी के कारण होती हैं।

2. मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां खराब मौसम, जैसे घना कोहरा या तेज हवाएं, विमान की स्थिरता को प्रभावित कर सकती हैं।

3. पायलट की गलती द्धष्ठ्ह के आंकड़ों के अनुसार, 65 प्रतिशत टेकऑफ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण होती हैं, जैसे गलत गति आकलन या रनवे की गलत स्थिति।

4. रखरखाव में लापरवाही समय पर सर्विसिंग न होना या पुराने उपकरणों का उपयोग।

5. एयर ट्रैफिक कंट्रोल की त्रुटियां गलत दिशानिर्देश या संचार में देरी।

हादसे के सामाजिक और मानविक प्रभाव - हर हवाई दुर्घटना केवल आंकड़ों की कहानी नहीं होती, बल्कि यह उन परिवारों की जिंदगियों को हमेशा के लिए बदल देती है जो अपने प्रियजनों को खो देते हैं। वलसाड हादसे में मृतकों की सटीक संख्या की पुष्टि भले ही न हुई हो, लेकिन यह निश्चित है कि इसने कई परिवारों को गहरे दुख में डुबो दिया है। एक मां का अपने बच्चे को खोना, एक बच्चे का अपने माता-पिता को खोना–ये ऐसी त्रासदियां हैं जिनका दर्द शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। ऐसे हादसों के बाद सरकारी सहायता और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, लेकिन ये अक्सर अपर्याप्त साबित होती हैं। पीड़ित परिवारों को न केवल आर्थिक सहायता चाहिए, बल्कि मनोवैज्ञानिक समर्थन, बच्चों की शिक्षा और आश्रितों के लिए रोजगार जैसी दीर्घकालिक व्यवस्थाएं भी जरूरी हैं।

गौर किशोर घोष

गौर किशोर घोष एक कुशल पत्रकार तथा लेखक के रूप में जाने जाते हैं। विकासशील देशों में ईमानदारी से प्रगतिवादी तथा प्रभावी लेखन कर पाना न केवल मुश्किल है बल्कि खतरनाक भी है। सरकारों के अलावा, दूसरी बहुत-सी ऐसी व्यवस्थाएँ हैं, जो अपनी स्थानीय तथा अंतराष्ट्रीय छवि बनाए रखने के लिए प्रकाशन और प्रसारण पर अपना अंकुश बनाए रखना चाहती हैं। ऐसे में गौर किशोर घोष ने अपने लम्बे संघर्षपूर्ण रचनात्मक लेखन तथा पत्रकारिता के जरिए अपनी बात को निर्भीकतापूर्वक आगे रखा और साथ ही नागरिकों तथा प्रेस की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए जुझारू तेवर दिखाए। गौर किशोर घोष की मानवीय दृष्टि, उनकी निर्भीकता तथा दबावों के खिलाफ अडिग पत्रकारिता के लिए उन्हें वर्ष 1981 का मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया।

जन्म तथा शिक्षा- गौर किशोर घोष का जन्म 20 जून 1923 को तत्कालीन पूर्वी बंगाल के जैसोर ज़िले के हाट गोपालपुर गाँव में हुआ था। उनके पिता एक डॉक्टर थे और गौर किशोर उनकी सन्तानों में सबसे बड़े और एकमात्र पुत्र थे। किशोर की शिक्षा सिलेहर गाँव में शुरू हुई, जहाँ उनके पिता एक बागान में डॉक्टर नियुक्त होकर गए थे। यह एक बीहड़ तथा घोर अविकसित गाँव था, जहाँ एक कमरे और एक मास्टर वाले स्कूल में किशोर की पढ़ाई शुरू हुई। यहाँ बांग्ला पढ़ाए जाने की व्यवस्था की। सिलहेर के बाद किशोर के पिता का तबादला नवाब दीप हो गया। नवाब दीप कलकत्ते से चालीस मील उत्तर में एक स्थान था, जहाँ किशोर ने हाई स्कूल से लेकर स्नातक तक पढ़ाई की। नवाब द्वीप में किशोर के पिता ने उनका नाम बकुलतला हाई स्कूल इंग्लिश स्कूल में लिखवा दिया, जहाँ उन्हें अंग्रेज़ी पढ़ने का मौका मिला। इसी नवाब दीप में किशोर को लाइब्रेरी में जाकर पढ़ने का चस्का लगा। उस समय इनका किसी विशेष विषय की पुस्तकों का चुनाव नहीं होता था, बस, जैसा कि इन्हें एक मित्र ने सुझाया था। वह इस विश्वास से सब पढ़ते जाते थे कि इन्हें, सब कुछ पढ़ने भर से समझ में आने लगेगा।

प्रारंभिक जीवन- पंद्रह वर्ष की आयु में किशोर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की छात्र शाखा के सदस्य बन गए। उस समय भारत में ब्रिटिश सरकार की ओर से यह एक प्रतिबंधित राजनैतिक दल था और इस तरह वर्ष 1938 में यह किशोर की ओर से सत्ता की पहली अवहेलना की घटना थी। किशोर का शुरुआती जीवन बहुत संघर्षपूर्ण रहा। इन्होंने जीवन यापन के लिए वहुत से काम किए। वह एक बिजली के मिस्त्री रहे, एक जगह फिटर का काम किया, परिस्थितिवश उनके जिम्मे परिवार के पालन पोषण का भार भी आ गया था। जिसने उनसे रेस्तरां में बर्तन तक धुलवाए। उसी दौरान उनका लेखन भी शुरू हुआ। उनकी पहली कविता 1943 में कलकत्ते की पत्रिका पूर्वाशा में छपी।

पत्रकारिता की शुरुआत- किशोर के पत्रकारिता जीवन की शुरुआत 1947 में तब हुई, जब उन्हें एक नई साहित्यिक साप्ताहिक पत्रिका में प्रूफ़ रीडर का काम मिला। लेकिन यह पत्रिका साल भर में ही बन्द हो गई। किशोर को फिर उसी संघर्ष में उतरना पड़ा। तभी एक नए शुरू होने वाले अखबार सत्ययुग ने किशोर को फिर प्रूफ रीडर बनाकर रख लिया। यह देश के बड़े प्रकाशन टाइम्स ऑफ इण्डिया का सहयोगी प्रकाशन था।

गौर किशोर घोष की प्रतिभा तब सामने आयी, जब वह कलकत्ता की सबसे बड़ी पत्रिका देश के लिए एक नियमित स्तम्भ रूपदर्शीरनक्श लिखने लगे। यह स्तम्भ 1950 से शुरू होकर 1953 तक चला। इस स्तम्भ में किशोर ने प्रतिदिन देखे जाने वाले ऐसे जनमानस की तस्वीर उजागर की, जो प्राय– अनदेखी कर दी जाती है। इस काम के जरिए किशोर का मकसद यह दिखाने का था कि साधारण प्रसंग में एक सौन्दर्य छिपा होता है और वह तभी नजर आता है, जब उसे मानवीय दृष्टि से देखा जाता है।

इसी क्रम में किशोर की दूसरी रचनाएँ सर्कस नाम से सामने आईं। इनकी भी भाषा बांग्ला थी और यह 1952 में पुस्तक रूप में प्रकाशित हुई। 1952 में किशोर आनंद बाज़ार पत्रिका के रिपोर्टक के रूप में नियुक्त किए गए। आनंद बाज़ार पत्रिका कलकत्ते में बांग्ला का सबसे बड़ा दैनिक अखबार है। किशोर की रचना एई कोलकताई उन्हीं दिनों प्रकाशित हुई थी और उसने आनंद बाज़ार पत्रिका के प्रकाशकों का ध्यान इस ओर खींचा था। आनंद बाज़ार पत्रिका में आने के बाद भी इनका देश के लिए लिखना जारी रहा था।

पत्रकार तथा लेखक के रूप में- 1958 में किशोर तथा इसके महत्त्वपूर्ण पत्रकार अमिताभ चौधरी ने एक स्वतंत्र साप्ताहिक निकालने का विचारा बनाया। किशोर कहते हैं कि विचार तो अच्छा था लेकिन उन्हें इसके लिए संसाधन कैसे जुटेंगे, यह समझ में नहीं आ रहा था। इस समस्या को अमिताभ चौधरी ने कैसे चुटकी बजाते हल किया यह किशोर के लिए हैरत की बात रही। दर्पण नाम से यह साप्ताहिक निकाला गया,जिसमें चौधरी ने किशोर से नियमित लिखने का आग्रह किया। 1956 में किशोर ने सगीना महतो तथा पाँच दूसरी राजनैतिक परिवेश की कहानियाँ पुस्तक रूप में देकर अपना नाम जमा लिया था। इस नाते किशोर एक कुशल पत्रकार तथा लेखक के रूप में उभरा रहे थे। दर्पण के लिए किशोर डेढ़ साल तक लिखते रहे। दर्पण में किशोर ने अपना लोकप्रिय स्तम्भ गोडानन्द कवि माने शीर्षक से शुरू किया जो आनन्द बाज़ार पत्रिका में छपने लगा। शुरू में यह स्तम्भ नियमित नहीं था लेकिन लोकप्रियता ने इसे 1970 से नियमित हो जाने दिया। 1974 में इस स्तम्भ की सामग्री पुस्तक रूप में प्रकाशित सामने आई।

वरिष्ठ सम्पादक के रूप में- आनंद बाज़ार पत्रिका में किशोर तरक्की करते हुए वरिष्ठ सम्पादक के पद तक पहुँचे। किशोर की इस प्रगति के दौरान उन्हें बहुत से ऐसे अनुभव हुए जिन्हें भुला पाना उनके लिए कठिन था, लेकिन उन्होंने जिस तरह से उनका सामना किया, उससे किशोर की छवि एक अदस्य साहसी तथा निर्भीक पत्रकार की बनती चली गई। किशोर मार्क्सवादी विचारों से प्रभावित ज़रूर थे, लेकिन जहाँ कुछ ग़लत देखते थे, उसका विरोध करने से भी नहीं चूकते थे। दृष्टि से कोई भी प्रतिबद्धता उनके सच के रास्ते में बाधा नहीं बनी। इस सन्दर्भ में कुछ महत्त्वपूर्ण घटनाएँ बताई जा सकती हैं। 1969 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (एम.एल.) के प्रमुख चारु मजूमदार ने भूमिहीनों के हिमायती होने का दावा करते हुए, भूमि अधिकरण से बहुत अनाचार किया। इस बात के ख़िलाफ गौर किशोर घोष ने व्यंग्यात्मक आलेख लिखा जिसमें चारू मजूमदार की भर्त्सना की गई थी। इस आलेख ने किशोर के लिए मुसीबत खड़ी कर दी। इसके पहले भी किशोर कम्युनिस्टों की दोहरी नीति के खिलाफ बहुत कुछ लिख चुके थे।

रचनाएँ- रूपदर्शीरनक्श, सर्कस, एई कोलकताई, कम्युनिस्ट पार्टी का पत्र

4 जुलाई 1970 को उन्हें कम्युनिस्ट पार्टी इण्डिया (एम.एल) की ज़िला कमेटी की ओर से एक पत्र मिला जिसमें उन्हें चेतावनी दी गई कि वह एक महीने के भीतर माफ़ी माँग लें अन्यथा उनकी हत्या कर दी जाएगी। किशोर के पास एक ऐसा ही और पत्र आया, जिसमें उन पर बहुत से आरोप लगाए गए थे। किशोर ने ये दोनों पत्र अपने उत्तर के साथ प्रकाशित कर दिए। और उत्तर में किशोर ने लिखा।

मौत मनुष्य का एक स्वाभाविक अंत है उन्होंने अपने पत्र के अंत में महाभारत का उद्धरण दिया और लिखा-

मनुष्य कौन है- प्राणी के अच्छे कर्मों की तरंग आकाश से धरती तक जाती है। और प्राणी अपने अच्छे कर्मों से ही मनुष्य कहलाता है।

किशोर ने मनुष्य होने के हवाले से अपनी चेतना का संदर्भ सामने रखा कि अपनी चेतना को झुठला कर मौत से बचने की कोशिश करने वाले वह नहीं है। इस प्रसंग के बाद भी किशोर की निर्भीक अभिव्यक्ति जारी रही। इसी तरह दूसरा प्रसंग 1975 का है जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने देश में आपातकाल लगा दिया था।

क्या है वॉलमार्ट की वृद्धि योजना, जो देगी 1 लाख एमएसएमई को नया अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी रिटेल दिग्गज वॉलमार्ट ने भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अगले तीन सालों में, वॉलमार्ट अपने आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम में 1 लाख और एमएसएमई को जोड़ने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य MSME को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करना है। वॉलमार्ट ने वृद्धि योजना के तहत आइडियाज टू इम्पैक्ट फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। i2i वॉलमार्ट वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और फ्लिपकार्ट की ई-कॉमर्स क्षमताओं के बीच ज्यादा से ज्यादा एमएसएमई को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा।

वॉलमार्ट के अधिकारी ने क्या कहा- वॉलमार्ट इंटरनेशनल के आपूर्तिकर्ता विकास और सोर्सिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ने बताया कि हम वॉलमार्ट वृद्धि योजना के अगले चरण की ओर बढ़ रहे हैं, हमें घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आगे बढ़ते हुए हमने 1,00,000 एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए आइडियाज टू इम्पैक्ट फाउंडेशन के साथ भागीदारी की है।

उन्होंने आगे बताया कि इससे बेंटनविले स्थित रिटेल कंपनी को अपनी वैश्विक गतिविधियों के लिए भारत से सामान की सोर्सिंग बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिसके लिए उसने पहले 2027 तक हर साल 10 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य तय किया है। अपनी पहल के माध्यम से, वॉलमार्ट भारतीय एमएसएमई को खास बिजनेस स्किल और बाजार पहुंच के साथ मजबूत बना रहा है, जिससे उन्हें अपने बिजनेस को स्थायी रूप से बढ़ाने और भारत की आर्थिक विकास की कहानी में योगदान करने में मदद मिली है। फ्लिपकार्ट और वॉलमार्ट बाजारों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाजार लिंकेज तक पहुंच बढ़ाकर एमएसएमई के लिए अच्छा खासा समर्थन कर रही है।

कब शुरू हुई थी वॉलमार्ट वृद्धि योजना- वॉलमार्ट वृद्धि योजना 2019 में शुरू की गई थी। अब तक इसे 70,000 से अधिक एमएसएमई तक पहुंचाया जा चुका है और डिजिटल वाणिज्य, व्यक्तिगत मेंटरशिप और रणनीतिक भागीदारी तक पहुंच प्रदान करके प्रशिक्षित किया जा चुका है।

पहली बार फ्री शेयर देने की तैयारी में मैगी वाली कंपनी, 10 टुकड़ों में बांट चुकी है शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैगी बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने की तैयारी में है। नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसका बोर्ड 26 जून को बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। नेस्ले इंडिया के इतिहास में यह पहला बोनस शेयर होगा। यानी, कंपनी पहली बार अपने निवेशकों को फ्री शेयर बांटेगी। एफएमसीजी कंपनी के शेयर गुरुवार को बीएसई में 2309.10 रुपये पर बंद हुए हैं। नेस्ले इंडिया इससे पहले अपने शेयरों का बंटवारा भी कर चुकी है।

10 टुकड़ों में शेयर बांट चुकी है नेस्ले- नेस्ले इंडिया अपने शेयरों का बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने जनवरी 2024 में अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर को 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा। साल 2024 में शेयरों के बंटवारे (स्टॉक स्प्लिट) के बाद से नेस्ले इंडिया ने अपने शेयरधारकों को 5 बार डिविडेंड दिया है। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट के बाद से निवेशकों को प्रति शेयर पर 42.5 रुपये का डिविडेंड दिया है।

सेंसेक्स इंडेक्स से बाहर होगी कंपनी- नेस्ले इंडिया के शेयर इंडेक्स रीशफल एक्सरसाइज के तहत 23 जून से बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स से बाहर होंगे। साथ ही, इंडसइंड बैंक के शेयर भी सेंसेक्स इंडेक्स से बाहर होंगे।

इजरायल के शेयर बाजार पर जा गिरी ईरान की मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को ईरान ने इजरायल के स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग को निशाना बनाया। तेहरान ने तेल अवीव के कई ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया। अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार ईरानी मिसाइल हमलों ने तेल अवीव और बेयर शेवा सहित कई स्थानों को निशाना बनाया, जिसमें तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज की इमारत को नुकसान पहुंचा है। ईरान ने दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर इजरायल को बड़ी चोट पहुंचाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार इजरायल की स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके बावजूद इजरायली शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखने को मिली।

तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज में गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली। ईरानी हमले का असर इजरायली शेयर बाजार पर नहीं दिखी। बाजार खुलते ही बेंचमार्क इंडेक्स इंट्राडे हाई पर 4.7 प्रतिशत तक चढ़ा। 12 जून को 4 प्रतिशत गिरने से पहले, इंडेक्स के लिए यह लगातार पांचवां सत्र है। TA-125 इंडेक्स इस साल अब तक 16 प्रतिशत ऊपर है।

फिलिस्तीन के न्यूज नेटवर्क कुद्स न्यूज ने अपने एक्स हैंडल पर एक इजरायली शेयर बाजार पर किए गए ईरान के हमले का Video शेयर किया है। कुद्स न्यूज नेटवर्क ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि ईरानी मिसाइल हमले में इजरायल के स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग को भारी नुकसान हुआ।

गुरुवार को ईरान द्वारा किए गए हमले के बाद, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि तेहरान को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

ईरानी हमले के बाद भी चमका इजरायल का शेयर मार्केट- अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ईरान द्वारा इजरायल पर ताजा हमले में 25 मिसाइल दागे जाने के बाद इजरायली स्टॉक एक्सचेंज की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बावजूद तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज 52 वीक के ऑल टाइम हाई 2,574.89 के स्तर पर पहुंच गया।

आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज़ के शेयर 20% की तेजी के साथ बंद हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में गिरावट और सुस्ती के साथ कारोबार हुआ। बैंक, आईटी, मेटल, एनर्जी शेयरों में पूरे दिन मंदी हावी रही है, लेकिन बाजार की इस गिरावट में एक चवन्नी शेयर, आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज लिमिटेड में 20 फीसदी का अपर सर्किट लग गया।

दरअसल, इस शेयर में यह तेजी सरकारी कंपनी से ऑर्डर मिलने के बाद आई है। आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज लिमिटेड को ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन से लेटर ऑफ अवार्ड मिला है। इस ऑर्डर की कीमत करीब 19.36 करोड़ रुपये है। इस खबर के बाद शेयरों में बड़ी तेजी आई है। खास बात है कि आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज़ के शेयर 2 दिन में 33 फीसदी की तेजी दिखा चुके हैं। 19 जून को आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज़ का शेयर 8.76 रुपये पर खुला और 11.64 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। आज के कारोबारी सत्र में इस शेयर में ट्रेडिंग वॉल्यूम 60 लाख रहा। आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज के स्टॉक 11.64 रुपये के स्तर पर बंद हुए।

महंगाई में रिटायरमेंट की चिंता? 10% फॉर्मूला से बनाएं सुरक्षित भविष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महंगाई के जमाने में रिटायरमेंट के लिए अगर पहले से फंड जुटाकर रखें जाए, तो भविष्य में आपको किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी। 10% फॉर्मूला की मदद से आप जान सकते हैं कि आपको रिटायरमेंट के लिए कितना फंड तैयार रखना होगा।

कितना फंड करना होगा तैयार- 10% फॉर्मूला की माने तो आपको सैलरी का 10 फीसदी पैसा रिटायरमेंट के लिए सेव करना होगा। वहीं हर साल जो भी आपने रिटायरमेंट सेविंग के लिए 10% बचाया है, उसका 10% अमाउंट और बढ़ाना होगा। इसे उदाहरण की मदद से समझते हैं।

मान लीजिए कि किसी व्यक्ति की सैलरी 30 हजार रुपये हैं। तो उसे पहले साल रिटायरमेंट के लिए हर महीने सैलरी से 3000 रुपये बचाने होंगे। इस तरह से वे साल में 36,000 रुपये बचा लेगा। अब आप जो 3000 रुपये हर महीने बचाते थे, उसे 10% बढ़ाना होगा। मसलन अब आपको 3300 रुपये हर महीने सेव करने होंगे। इस तरह से आप अगले साल 39,600 बचा लेंगे। आप चाहे तो इन पैसों को एसआईपी में निवेश कर सकते हैं। आप सेविंग के लिए 50:30:20 का भी सहारा ले सकते हैं।

50-30-20 के नियम के अनुसार आपको अपनी सैलरी 50-30-20 के रेश्यू में बांटना होगा। ये नियम कहता है कि सैलरी का 50 फीसदी हिस्सा सभी खर्चों के लिए निकाल लें। वहीं 30 फीसदी पैसा आपने शौक के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे मूवी देखना, कहीं घूमना इत्यादि।

इसके साथ ही सैलरी का 20 फीसदी हिस्सा सेविंग के लिए उपयोग करें। आप चाहे तो 30 फीसदी पैसा सेविंग और 20 फीसदी पैसा अपने शौक के लिए खर्च कर सकते हैं। ये सेविंग का आधा पैसा आप सुरक्षित प्लेटफॉर्म और बाकी का बचा पैसा असुरक्षित प्लेटफॉर्म जैसे म्यूचुअल फंड पर निवेश कर सकते हैं।

सोने में तेजी के बीच इस ज्वेलरी स्टॉक पर ब्रोकरेज ने दिया 650 रु टारगेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्वेलरी बिजनेस में लगी कंपनी कल्याण ज्वेलर्स के शेयर को ब्रोकरेज फर्म सिटी से बाय रेटिंग मिली है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सिटी ने कल्याण ज्वेलर्स स्टॉक पर 650 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस दिया है। कल्याण ज्वेलर्स के आज के शेयर प्राइस की बात करें तो यह (दोपहर 1:30 बजे) 1.92 फीसदी की गिरावट के साथ 509.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसने आज 525.80 रुपये का हाई लेवल और 509 रुपये का लो लेवल बनाया है।

ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक कल्याण ज्वेलर्स की ज्वेलरी सेगमेंट में डिमांड बनी हुई है। इसकी वित्त वर्ष 26 में 90 नए स्टोर खोलने की योजना है। जिसमें 6-7 स्टोर भारत से बाहर जबकि 9-10 स्टोरी दक्षिण भारत में और बाकी भारत के अन्य क्षेत्रों में स्टोर खोलने की योजना है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

झपकी ने ली मां-बेटा सहित चार लोगों की जान, सड़क हादसे में दो परिवार तबाह

राजगढ़। नेशनल हाइवे आगरा-मुंबई पर पचोर के समीप एक कार चालक की झपकी लगने के कारण डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में मां-बेटा सहित चार की मौत हो गई है, जबकि तीन घायल हुए हैं। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सड़क चलते वाहन चालकों ने शवों व घायलों को निकाला व पचोर अस्पताल पहुंचाया। सभी मृतक व घायल उत्तर प्रदेश के गौंड़ा जिले के निवासी हैं।कैसे हुआ हादसा?

जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के गौंड़ा जिले के दुबेपुरवा मोजा भवानीपुर के रहने वाले कुछ लोग वर्षों से गुजरात के सूरत में काम करते हैं। ऐसे में दो कारों में सवार होकर वह परिवार के सदस्यों के साथ अपने कर्तव्य स्थल सूरत जाने के लिए गृह गांव से सुबह बुधवार सुबह करीब 10 बजे निकले थे। लगातार गाड़ी चलाते हुए गुरूवार सुबह करीब 6.30 बजे पचोर के समीप भाटखेड़ी जोड़ पहुंचे। जहां पीछे चल रही गाड़ी के चालक भोलेनाथ दुबे की नींद की झपकी लग गई।

बेटे और भतीजे की मौके पर ही मौत

उनकी कार डिवाइडर से टकराकर बुरी तरह से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में

भोलेनाथ दुबे के बेटे अनमोल 16 वर्ष व बहन के बेटे प्रियांश की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भोलेनाथ की बड़ी बहन शिवदेवी व छोटी बहन प्रमिला की शाजापुर में रेफर होने के बाद मौत हो गई। जिन चार की मौत हुई है उसमें मां प्रमीला पांडे व बेटा प्रियांश पांडे भी शामिल है।

एसपी अमित तोलानी पचोर अस्पताल पहुंचे

बेटे की मौत पचोर में हुई, जबकि मां की मौत शाजापुर में हुई है। इस हादसे में भोलेनाथ दुबे, उनकी पत्नी पुष्टम और बेटी अंशिका घायल हुए हैं। घटना के बाद दोपहर में एसपी अमित तोलानी पचोर अस्पताल पहुंचे थे व भोलेनाथ दुबे से चर्चा की। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने भी मोबाइल पर भोलेनाथ दुबे से चर्चा की।

सूरत में ही करते है काम

गाड़ी चला रहे भोलेनाथ दुबे ने बताया कि वह पिछले करीब 25 साल से सूरत में ही परिवार के साथ रहते हैं। उनकी बहनों का परिवार भी 15 साल से वहीं रहता था। सभी लोग साड़ियों की गठानों को ट्रांसपोर्ट तक पहुंचाने का काम करते हैं। अप्रैल माह में गांव आए थे। बच्चों के स्कूलों की छुट्टियां थी इसलिए गांव पर ही रूक गए थे। अब स्कूल खुलना था इसलिए मैं व मेरी बहनों के परिवार के सदस्य गांव से सूरत जा रहे थे। एक रिश्तेदार के निधन के चलते रास्ते में उनके यहां कुछ समय रूके थे। फिर वहां से सूरत के लिए निकले थे।

नींद की झपकी से उजड़ी जिंदगी

भोलेनाथ ने बताया कि सुबह से लेकर पूरी रात मैंने गाड़ी चलाई थी। इस कारण से थकान भी हो गई थी और नींद भी नहीं ली थी। सुबह-सुबह अचानक से नींद की झपकी लग गई। जिसके कारण गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई और हादसा हो गया। एक नींद की झपकी ने दुनिया उजाड़ दी।राहगीरों ने निकाले शव, एंबुलेंस लेकर पहुंची अस्पताल

घटना जिस समय हुई उस वक्त कई वाहन वहां से गुजर रहे थे। हादसा होता देख वाहन चालक रूके। तभी गुजरात से एक शव छोड़कर वापस गुजरात जा रही एंबुलेंस भी आ पहुंची। एंबूलेंस के स्टाफ व अन्य लोगों ने शवों व घायलों को निकाला। एंबुलेंस पचोर सभी को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने अनमोल और प्रियांश को मृत घोषित कर दिया। जबकि अंशिका, पुष्टम, भोलेनाथ की बहन शिवदेवी, छोटी बहन प्रमीला को गंभीर अवस्था में शाजापुर रेफर किया गया। शाजापुर में भोलेनाथ की दोनों बहनों की भी मौत हो गई।

भतीजे की शादी में अप्रैल में पहुंचे थे उत्तर प्रदेश

भोलेनाथ दुबे ने बताया कि 30 अप्रैल को मेरे भतीजे की शादी थी। इसलिए 22 अप्रैल को हम लोग सूरत से चलकर गांव पहुंचे थे। 30 अप्रैल को शादी संपन्न होने के बाद बच्चों की छुटिटयां होने के कारण हम गांव पर ही रूके। इस दौरान कई स्थानों पर दर्शन करने भी गए। इसके बाद जब स्कूल खुलने का समय आ गया तो बुधवार को वापस सूरत के लिए जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

दूसरी गाड़ी 20 किमी आगे निकल गई थी

उत्तर प्रदेश से दोनों गाड़ियां साथ चल रही थी, लेकिन ब्यावरा के नजदीक से एक गाड़ी घटना के समय करीब 20 किमी आगे पहुंच चुकी थी। जो दूसरी गाड़ी थी उसमें भोलेनाथ दुबे का बड़ा बेटा अमन 18 वर्ष, मृतिका प्रमिला के पति रमेश पांडे, मृतिका शिव देवी के पति दिवाकर तिवारी व दो अन्य छोटे बच्चे सवार थे।

गुस्साए दामाद ने ससुर को उतारा मौत के घाट

कटनी। मध्य प्रदेश में रिश्तों को तार-तार करने वाली घटना सामने आ रही है. मामला बहोरीबंद थाना क्षेत्र के सिजहरी गांव का है जहां प्रौढ़ की हत्या के मामले में दामाद ही हत्यारा निकला। जी हां, बीते मंगलवार की सुबह सिजहरी गांव में गोगी हार के खेत में एक व्यक्ति का शव मिला था. खून से लतपत रामबरन उर्फ बेड़ी चौधरी का शव खेत के मढ़ैया में मिला था.पूछताछ के दौरान कबूला अपराध

पुलिस को सूचना मिलने के बाद मामले की जांच शुरु हुई. प्रथम दृष्टया में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था और संदेह के आधार पर मृतक के दामाद मोनू को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। गुरजी थाना सिहोरा के रहने वाले मोनू की शादी बेड़ी चौधरी की बेटी से हुआ था. पूछताछ के दौरान मोनू ने अपराध कबूल कर लिया और कारण बताया।

क्यों और कैसे की हत्या? मोनू ने बताया कि उसकी पत्नी को ससुर उसके साथ नहीं भेज रहा था और फोन पर भी बात नहीं करने देता था। इसी बात से गुस्से में आकर वह घटना की रात को मोटर साइकिल से खेत पहुंचा था और वहां पर सो रहे ससुर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया. अपने ससुर की हत्या करने के बाद आरोपी मोनू वहां से भाग गया था।

उकवा माइंस में गुरुवार सुबह फिर एक दर्दनाक हादसा हो गया

बालाघाट/उकवा। बालाघाट जिले की उकवा माइंस में गुरुवार सुबह फिर एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसने माइंस प्रबंधन और ठेकेदारों की लापरवाही को फिर से उजागर कर दिया। भूमिगत खदान में मशीन की चपेट में आकर ठेका श्रमिक विनय खंडेश्वर (30) की मौत हो गई।

घटना के बाद मृतक के परिजनों को पहले झूठी जानकारी दी गई कि विनय जीवित है। उसको ऑक्सीजन के साथ एंबुलेंस में जिला अस्पताल ले जाया जा रहा है, जबकि सच्चाई यह थी कि विनय की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी। यह बात सामने आई तो आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को माइंस के गेट पर रखकर प्रदर्शन किया। ढाई घंटे तक बैहर-बालाघाट मार्ग को जाम कर दिया। पंप ऑपरेटर की जगह भेजा गया अंडरग्राउंड जानकारी के अनुसार, मृतक विनय खंडेश्वर छिंदीटोला निवासी था। उकवा माइंस में ठेका श्रमिक के रूप में पंप ऑपरेटर का काम करता था। उसका काम सिर्फ पंप को चालू और बंद करना था, लेकिन गुरुवार सुबह 7 बजे की शिफ्ट में ठेकेदार दीपक चौहान के

स्टाफ शिवप्रसाद चौधरी ने विनय को तीन-चार अन्य मजदूरों के साथ अंडरग्राउंड खदान में भेज दिया।

खदान में एक भारी मशीन की चपेट में आने से विनय की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद उसे खदान के अस्पताल लाया गया, जहां उसके शव को कपड़े से ढंका गया। परिवार को बताया गया कि वह जीवित है। ऑक्सीजन का दावा झूठा मृतक के भाई विशाल खंडेश्वर खुद भी माइंस में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि विनय को अस्पताल ले जाते समय झूठ बोला गया। उनसे कहा गया कि विनय को ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ जिला अस्पताल ले जाया जा रहा है, जबकि एंबुलेंस में रखा ऑक्सीजन सिलेंडर खाली था। उन्होंने विरोध जताया तो बताया गया कि विनय की मौत हो चुकी है।

शव को रखकर किया प्रदर्शन

सच्चाई सामने आने के बाद गुस्साए परिजन और ग्रामीण विनय का शव लेकर उकवा माइंस के गेट पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि विनय पंप ऑपरेटर था, तो उसे भूमिगत खदान में क्यों भेजा गया। करीब ढाई घंटे तक बैहर-बालाघाट मार्ग पूरी तरह से बंद रहा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पुलिस बल, तहसीलदार और नायब तहसीलदार तेजलाल धुर्वे सहित प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे।

युवक को डसकर सांप तड़प-तड़प कर मिनटों में मरा, रेंजर बोले- यह अति दुर्लभ है

बालाघाट। जिले के नवेगांव ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम खुड़सोड़ी में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, यहां एक जहरीले डोंगरबेलिया सांप ने एक युवक को डस लिया। उसके बाद सांप की कुछ ही मिनट में तड़प-तड़प कर मौत हो गई। परिजन उस मरे हुए सांप और युवक को लेकर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां युवक को भर्ती किया गया। अचानक से सांप पर पड़ गया युवक का पैर

मामले के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सर्पदंश से पीड़ित युवक सचिन पिता गजब नगपुरे (25) कार मैकेनिक का काम करता है। गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे वह अपने खेत गया था। यहां पर अचानक से उसका बाया पैर सांप के ऊपर पड़ गया। सांप ने उसे डस लिया, जिसके कुछ देर बाद ही सांप तड़प-तड़प कर मर गया।

उसके बाद युवक ने इसकी सूचना अपने परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे। वह सांप और युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां परिजनों ने बताया कि डसने वाला सांप कोई साधारण सांप नही था, बल्कि डोंगरबेलिया सांप है। वह अत्यंत ही जहरीला होता है।इस कारण से मर सकता है सांप

पीड़ित युवक ने बताया कि वह अलग-अलग पेड़ की लकड़ियों से मंजन करता है। वह चिढ़चिडिया की लकड़ी, पिसोंडी, पल्सा, जाम, आम, तुअर, आजन, करंजी, नीम के पेड़ की लकड़ी से सात से आठ साल से मंजन कर रहा है। इस कारण से सांप उसे डसने के बाद मर गया होगा।

इस मामले में फारेस्ट विभाग के रेंजर धर्मेन्द्र बिसेन का मानना है कि किसी इंसान को डसने के तुरंत बाद सांप मर जाए। यह दुर्लभ से अति दुर्लभ स्थिति में ही हो सकता है। सांप के डसने के बाद पलटने की स्थिति में उसकी जहर की थैली फट जाए, तो ही ऐसा संभव हैं।

विभागीय अधिकारी बांधों का निरीक्षण कर वर्षा पूर्व सुधार कार्य पूर्ण करें

बाढ़ नियंत्रण कक्ष में 24 घंटे कार्य सुनिश्चित करें - जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट

इन्दौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि विभागीय अधिकारी वर्षा से पूर्व सभी बांधों का निरीक्षण करें एवं वर्षा से पहले ही आवश्यकतानुसार सुधार कार्य कर लिए जाएं। सभी बांधो के गेट्स का मेंटीनेंस कर उन्हें क्रियाशील स्थिति में रखा जाए।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा , प्रमुख अभियंता श्री विनोद कुमार देवड़ा आदि उपस्थित थे। क्षेत्रीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्मिलित हुए। बैठक में आगामी मानसून पूर्व तैयारियों एवं विभाग द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम की समीक्षा की गई।

प्रमुख अभियंता श्री विनोद देवड़ा द्वारा वर्षा ऋतु से पूर्व बांधों की सुरक्षा और संभावित आपदा स्थितियों से निपटने संबंधी विभागीय योजना एवं विभाग द्वारा किए गए जल संरक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर 24 घंटे क्रियाशील किया जाए। निरीक्षण दल गठित कर नियमित मॉनीटरिंग हो और वर्षा काल के दौरान कोई भी अधिकारी बगैर सक्षम अधिकारी की अनुमति के मुख्यालय न छोड़े।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि वर्षा काल में जब भी डैम से पानी छोड़ने की स्थिति बने जिले के सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं को अग्रिम सूचना दे दी जाए। जिन स्थानों पर पानी छोड़ा जा रहा है वहां जन सामान्य को पर्याप्त समय पूर्व पानी छोड़ने की सूचना अनिवार्य रूप से दी जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि विभागीय मैन्युअल के अनुसार वर्षा पूर्व निरीक्षण प्रतिवेदन विभागीय पोर्टल पर दर्ज किए जाएं और भारत सरकार द्वारा लागू डैम सेफ्टी एक्ट के अंतर्गत चिन्हित राज्यों के बांधों से संबंधित प्रतिवेदन भी समय पर भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज किए जाएं।

मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि विभाग द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम को आगामी 14 दिनों में पूर्ण गति से क्रियान्वित किया जाए और कार्यक्रम की समाप्ति के 3 दिवस पश्चात विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। श्री सिलावट ने निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और वर्षा पूर्व अधिकतम कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

राज कुशवाहा के घर शिलांग पुलिस के अफसरों ने ली तलाशी, पांच दिन रुकी थी सोनम

इन्दौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड के पांचों आरोपियों का एक तरफ जहां शिलांग में पुलिस रिमांड ले रही है तो दूसरी तरफ शिलांग से अफसरों की एक टीम हत्याकांड से जुड़े सबूत जुटाने के लिए इंदौर में डेरा डाले हुए है। दो दिन से अफसरों ने राजा से लेकर सोनम के परिजनों से बात की। दफ्तर, गोड़ाउन पर भी तलाशी लेने पहुंची। बुधवार रात वह हत्या के मास्टरमाइंड राज कुशवाहा के घर भी पहुंची। नंदबाग में रहने वाले राज के यहां सोनम पांच दिन रुकी थी।

अफसरों ने घर की तलाशी ली और कुछ महत्पवूर्ण सबूत वे अपने साथ ले गए। अपने घर सोनम को रुकवाने के लिए राज ने अपनी दोनो बहन और मां को यूपी के पैतृक गांव रामपुर में भेज दिया था। पांच दिन के बाद सोनम फ्लैट में रहने चली गई थी। रात को राज के घर शिलांग से आए अधिकारी पहुंचे और दोनों बहनों व मां से बात की। मां ने उन्हें कहा कि बेटा राज यह हत्या नहीं कर सकता। उसे सोनम ने उकसाया है। अफसरों ने यह भी पूछा कि राज ने गांव क्यों भेजा था। एक घंटे तक तलाशी और पूछताछ के बाद अफसर लौट गए।

सदमे में राज की दादी की मौत- रामपुर गांव में रहने वाली राज कुशवाहा की दादी का बुधवार को निधन हो गया। राज की गिरफ्तारी की खबर मिलने के बाद से ही उसकी दादी सदमे में आ गई थी। उन्होंने खाना पीना भी छोड़ दिया था।

ट्रांसफार्मरों के मेंटेनेंस की साप्ताहिक समीक्षा होगी

इन्दौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बुधवार को पोलोग्राउंड कंपनी मुख्यालय पर विभागाध्यक्षों की मिटिंग ली। श्री सिंह ने स्पष्ट किया हैं कि फीडरों की जरूरी मेंटेनेंस करीबन पूर्ण कर लिया गया हैं, अब बहुत जरूरी होने पर ही फीडरों का मेंटेनेंस किया जाए। ट्रांसफार्मरों एवं एलटी लाइन के मेंटेनेंस को समय पर पूरा कर लिया जाए, इससे बिजली सीमित क्षेत्र की बंद होगी, साथ ही बार बार आने वाली शिकायतें नहीं आएगी। प्रबंध निदेशक ने ट्रांसफार्मर के गुणवत्ता के मेंटेनेंस पर जोर दिया व कहा कि इससे न केवल फेल रेट घटेगा, बल्कि वोल्टेज कम ज्यादा होने व अन्य परेशानी खत्म हो जाएगी। ट्रांसफार्मरों के मेंटेनेंस की कंपनी स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने कहा कि मेंटेनेंस के दौरान बिजली बंद रहने की सूचना एसएमएस, वाट्सएप ग्रुप, ऊर्जस के माध्यम से उपभोक्ताओं को अनिवार्य रूप से दी जाए। उन्होंने आरडीएसएस एवं एसएसटीडी के मंजूर कार्यों को समय पर कराने को कहा। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान , कार्यपालक निदेशक श्री गजरा मेहता, मुख्य अभियंता श्री रवि मिश्रा, श्री एसआर बमनके, श्री एसएल करवाड़िया, श्री कामेश श्रीवास्तव आदि ने भी विचार रखें।

सिकल सेल दिवस के अवसर पर इंदौर में आयोजित किये जा रहे हैं जनजागरूकता के कार्यक्रम

इंदौर। विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सांसद सेवा प्रकल्प एवं एडवांस्ड होम्योपैथिक मेडिकल रिसर्च एवं वेलफेयर सोसायटी इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में सात दिवसीय सिकल सेल जागरूकता अभियान इंदौर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जा रहा है। स्वस्थ जीवन की ओर एक जागरूक पहल की थीम पर 13 जून से शुरू हुआ यह अभियान 20 जून तक चलेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज को सिकल सेल जैसे घातक अनुवांशिक रोग के प्रति सजग करना और इसकी रोकथाम के प्रति नागरिकों को जागरूक करना है। अभियान के अन्तर्गत सांसद श्री शंकर लालवानी और होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. ए. के. द्विवेदी के नेतृत्व में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विविध जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क रक्त जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। साथ ही हिमोग्लोबिन इलेक्ट्रोफोरेसिस टेस्ट का महत्व बताकर आमजन में जनजागरूकता लाई जा रही है। साथ ही नुक्कड़ नाटक, पम्पलेट एवं बुकलेट का वितरण, पोस्टर प्रदर्शनी और संवादात्मक सत्र भी किए जा रहे हैं।

सांसद श्री शंकर लालवानी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एनीमिया मुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाते हुए सिकल सेल जागरूकता अभियान इंदौर में जनभागीदारी के साथ संचालित किया जा रहा है।

सांवेर विधानसभा क्षेत्र के समस्त 110 ग्राम पंचायतों में श्मशान सौन्दर्गीकरण के होंगे कार्य- मंत्री श्री सिलावट

सांवेर क्षेत्र में 90 लाख रूपये की लागत से बनेंगे 30 श्मशान घाट

इंदौर। सांवेर विधानसभा क्षेत्र की समस्त 110 ग्राम पंचायतों में जनसुविधा हेतु श्मशान घाट, मुक्तिधामों का सौन्दर्यीकरण किया जायेगा। प्रथम चरण में श्मशान स्थल पर घाट एवं शैया बनाई जायेगी। तत्पश्चात द्वितीय चरण में सपूर्ण क्षेत्र की बाउण्ड्रीवाल, शोकसभा हॉल एवं कुर्सी, गार्डन, चौकीदार कक्ष आदि का निर्माण कर सौन्दर्यीकरण किया जायेगा। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इस सबंध में बताया कि ग्रामवासियों की मांग पर सांसद श्री शंकर लालवानी से सांवेर के विभिन्न ग्रामों में श्मशान घाट बनाने हेतु अनुरोध किया गया। इस पर श्री लालवानी द्वारा विधानसभा सांवेर के 30 ग्रामों में 90 लाख रूपये की लागत के 30 श्मशान घाटों की स्वीकृति दी गई। ग्राम खामोद आंजना, मकोडिया-मच्छूखेडी, अर्जुन बरोदा, सिमरोल खाण्डाखेडी, लालाखेडा, पलासिया, शिवनी-गढी, बावलियाखुर्द, बडोदियाखान, किठोदा, जामोदी, पानोड-चिमली, कदवाली बुजुर्ग, हिण्डोलिया, बलघारा, अजनोद रेलवे स्टेशन, हासाखेडी, तराना, नागपुर, माताबरोडी, धतुरिया-कमल्याखेडा, चित्तोडा, मुरादपुरा-सतलाना, जम्बुडी सरवर, अजनोटी, मण्डोद, पेडमी, जैतपुरा, बुरानाखेडी, जगमाल पिपलिया, गारी पिपलिया, केलोदहाला, हरणखेडी, खण्डेल-खराडिया, सेमलिया रायमल, अरन्या एवं झलारिया में 3-3 लाख रूपये प्रत्येक के श्मशान घाट-मुक्तिधाम बनेंगे।

शौचालय में रखे थे टमाटर, चोइथराम मंडी का हाल देखकर उड़े अधिकारियों के होश

इंदौर। इंदौर की चोइथराम मंडी शहर की सबसे प्रमुख मंडी है। पूरे शहर में यहीं से सब्जियां और फल आते हैं। नगर निगम की टीम ने यहां पर अतिक्रमण और अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई की। दुकानदारों ने दुकान के आगे सामान जमा रखा था। जांच के दौरान पता चला कि एक टमाटर व्यवसायी शौचालय का उपयोग टमाटर रखने के लिए कर रहा था। निगम की टीम ने न सिर्फ टमाटर हटवाए बल्कि व्यवसायी पर 12 हजार रुपये का स्पॉट फाइन भी लगाया। कार्रवाई राधेश्याम पाटीदार एंड कंपनी पर की गई। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने मंडी व्यापारियों के साथ मिलकर मंडी की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए योजना तैयार करने के लिए कहा है।

रोज हजारों लोग आते हैं यहां- चोइथराम मंडी में रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही रहती है। सुबह से शाम तक व्यापार होता है। मंडी में कई जगह व्यापारियों ने अवैध कब्जे भी कर रखे हैं। इसके चलते अक्सर व्यवस्था चरमरा जाती है। मंडी में सफाई एक बड़ा मुद्दा है। नगर निगम नियमित सफाई का दावा करता है, लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। अब नगर निगम मंडी की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए विशेष योजना बना रहा है।

मंडी की सफाई व्यवस्था बेहतर करेंगे- मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि हम व्यापारियों के साथ मिलकर मंडी की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में काम कर रहे हैं। मंडी में दुकानदारों से अपील की है कि वे कचरा कचरा वाहनों में ही डालें। नगर निगम स्वीपिंग मशीनों के माध्यम से मंडी की सफाई कराने पर भी विचार कर रहा है।

गेरसंचारी रोगों के लिये प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में 1225 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर गेरसंचारी रोगों की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाणगंगा पर प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 1225 लोगों का पंजीयन किया गया, जो अब तक सर्वाधिक है। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी लगभग 3800 से अधिक जाँचें की गई। इनमें मुख्य रूप से 124 ईसीजी, 142 फाइब्रोस्कैन, 468 एचबी, 468 आरबीएस, 324 एसजीपीटी, 324 एसजीओटी, 324 लिपिड प्रोफाइल, 128 ईको, 92 यूएसजी, 55 मैमोग्राफी, 247 जनरल मेडिसिन, 157 कार्डियोलॉजी, 162 गैस्ट्रोलॉजी, 130 गायनेकोलॉजी, 54 रूमेटोलॉजी, 105 कैंसर स्क्रीनिंग, 74 डेंटल चेकअप, जाँचें विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में यह आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना है बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान रोकथाम में भी मदद पहुंचाना है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

उज्जैन सांसद के निरीक्षण में उजागर हुई शासकीय स्कूल की बदहाली, मध्यान्ह भोजन में निकली बड़ी खामी, नवीन भवन निर्माण हेतु राशि भी प्रदान करने के दिये निर्देश

उज्जैन। प्रदेशभर के शासकीय और निजी स्कूलों में आज से नया शैक्षणिक सत्र आरंभ हो चुका है। इसी के तहत उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने शहर के जवाहर नगर क्षेत्र स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूल की दुर्दशा देख सांसद न केवल हैरान रह गए बल्कि मौके पर ही जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए।

स्कूल की जमीनी हकीकत देख भड़के सांसद

निरीक्षण के दौरान सांसद अनिल फिरोजिया को यह देखने को मिला कि विद्यालय भवन में छात्रों को पढ़ाई के लिए उचित कक्ष तक उपलब्ध नहीं हैं। स्कूल के शिक्षक छात्रों को पास की धर्मशाला की दीवार पर बनाए गए एक सीमेंट बोर्ड के सहारे पढ़ा रहे थे। यह दृश्य

देखकर सांसद गुस्से में आ गए और तत्काल कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों को फोन कर लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की।

सांसद ने बताया कि विद्यालय में टीन शेड के नीचे बच्चे बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। इतनी विषम परिस्थितियों में भी शिक्षक अपने संसाधनों से छात्रों को पढ़ा रहे हैं, जो व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय भवन निर्माण के लिए उन्होंने राशि भी स्वीकृत की है,मध्यान्ह भोजन में निकली गंभीर खामियांसांसद अनिल फिरोजिया ने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की, जिसमें उन्हें भारी अनियमितताएं देखने को मिलीं। उन्होंने बताया कि आज के मेन्यू में बच्चों को दाल, आलू की सब्जी और रोटी परोसी गई थी, लेकिन जब उन्होंने खुद भोजन की जांच की तो पाया कि दाल में दाल नहीं थी, आलू की सब्जी में आलू नहीं थे और रोटियों की गुणवत्ता बेहद खराब थी।

सांसद ने कहा कि सब्जी और दाल को एकसाथ मिलाने के बाद भी स्वाद ऐसा था जैसे बच्चों को नमक के पानी के साथ रोटी परोसी जा रही हो। इस लापरवाही पर उन्होंने तत्काल जिला पंचायत सीईओ को फोन कर निर्देश दिए कि मध्यान्ह भोजन सप्लाई कर रही संस्था पर कड़ी कार्यवाही की जाए।

शिक्षा विभाग ने भी मानी खामियां

निरीक्षण के दौरान मौजूद जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी यह स्वीकार किया कि मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब थी। उन्होंने भी मामले की गंभीरता को मानते हुए आवश्यक कार्रवाई की बात की है।

द्वितीय सब – जूनियर एवं मिनी जूनियर रेपिड शतरंज स्पर्धा 22 जून को

उज्जैन । प्रति वर्षानुसार पंडित मोरेश्वर शास्त्री दीक्षित (स्वतंत्रता संग्राम सैनानी एवं ज्योतिर्विद) की स्मृति में एक दिवसीय द्वितीय सब - जूनियर एवं मिनी जूनियर रेपिड शतरंज स्पर्धा का आयोजन म.प्र. एडहॉक कमिटी के तत्वावधान में महाकवि कालिदास जयंती समारोह समिति के द्वारा उज्जैन डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के सहयोग से 22 जून 2025 को श्री चंद्र धर्मशाला, नदी दरवाजा, कार्तिक चौक पर सुबह 9 बजे से किया जाएगा।

एक दिवसीय रेपिड शतरंज स्पर्धा में आयु वर्ग 15, 13, 11 एवं 9 वर्ष के बालक - बालिका भाग ले सकते है। यह स्पर्धा सभी वर्गों में अलग अलग खेली जाएगी। स्पर्धा अंतरराष्ट्रीय स्विस लीग पद्धति के अनुसार रैपिड शतरंज (तेज गति से खेलना) नियमों के आधार पर खेली जाएगी। स्पर्धा के सभी वर्गों में बालक वर्ग में 5 पुरस्कार, बालिका वर्ग में 3 पुरस्कार एवं सबसे कम आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए 3 पुरस्कार रखे गए है। सभी विजेता खिलाड़ियों को आकर्षक ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष पंडित उपेन्द्र दीक्षित ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह स्पर्धा का द्वितीय संस्करण है जिसमें उज्जैन जिले के अलावा अन्य जिलों के प्रतिभागी भी शामिल हो सकते है। स्पर्धा में रजिस्ट्रेशन के लिए अंतिम दिनांक 21 जून 2025 रात 8 बजे तक है, स्पर्धा स्थल पर कोई प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि स्पर्धा का संचालन बुद्धिबल चेस अकादमी के निर्णायक दल एवं तकनीकी सहयोग नटखट प्ले स्कूल के द्वारा किया जाएगा।

स्पर्धा में भाग लेने के लिए खिलाड़ी अपना रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यम से स्पर्धा सचिव श्रीमती रूपेश कुमारी (प्रभा) कुशवाह को बुद्धिबल चेस अकादमी, वेद नगर पर प्रातः 9 से 12 एवं शाम 4 से 7 बजे तक करवा सकते हैं।

भोपाल में होने वाली सेंट्रल इंडिया कराटे चैंपियनशिप के लिए उज्जैन के लय और लक्ष्य शर्मा चयनित

उज्जैन। 21 और 22 जून को भोपाल में होने वाली सेंट्रल इंडिया कराटे चैंपियनशिप के लिए उज्जैन के होनहार खिलाड़ी सेंट पॉल कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थी लय शर्मा और लक्ष्य शर्मा उज्जैन से चयनित हुए। इससे पूर्व भी दोनों भाई कई राज्य, राष्ट्रीय स्तरीय और अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुके हैं। यह जानकारी कराटे कोच ज्वलंत शर्मा ने दी।

निडर, निर्भीक, निष्पक्ष जननायक राहुल गांधी देश में युवा शक्ति के प्रतीक– मुकेश भाटी

उज्जैन। महाकल मार्ग स्थित अपंग आश्रम पर शहर कोंग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में भोजन वितरित कर राहुल गांधी का जन्मदिन सादगी पूर्ण तरीके से मनाया गया।

इस मौके पर अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि निडर, निर्भीक, निष्पक्ष जननायक राहुल गांधी देश में युवा शक्ति के प्रतीक हैं। हम सब कांग्रेसजन उनके उज्ज्वल भविष्य की बाबा महाकाल से कामना करते हैं। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी द्वारा आश्रम को भेट राशि प्रदान की गई। साथ ही अपंग आश्रम संचालक रामचंद्र सोलपंखी का पुष्पमालाओं से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय, संगठन मंत्री अजय राठौर, महिला अध्यक्ष सोनिया ठाकुर, पार्षद छोटेलाल मंडलोई, गबर कुवाल, परमानंद मालवीय, ईमरान खान, जाहिद पहलवान, कृष्णा यादव, प्रेमलता रामी, देवव्रत यादव, अभीषेक शर्मा, सतीश मरमट, नीलेश खुले, चंदू यादव, दिपेश जैन, ललित मीणा, नरेन्द्र राव, ओमप्रकाश रामी, यश जैन, संकेत रामी, असलम भाई चूड़ीवाले सहित कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

'खाना खज़ाना सीज़न 2' में चुने गए 10 फाइनलिस्ट, ग्रैंड फिनाले 22 जून को

उज्जैन। टैलेंट हब इंडिया द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी होम कुकिंग प्रतियोगिता ÷खाना खज़ाना सीज़न 2÷ के ऑडिशन राउंड में से 55 प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिन्होंने सेमीफाइनल राउंड में भाग लिया। सेमीफाइनल में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद अब शीर्ष 10 फाइनलिस्ट चयनित किए गए हैं, जो ग्रैंड फिनाले में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

कॉसमॉस मॉल में ऑडिशन राउंड आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों होम कुक्स ने हिस्सा लिया और अपने अनोखे स्वाद से जजेस को प्रभावित किया। खाना खज़ाना सीज़न 2 के टॉप 10 प्रतिभागी कुहू जैन, सोनल सूर्या, स्मिति गर्गव, कोमल ड्रोनावत, सरला गर्ग, सारिका नीमा, वंदना तिवारी, साधना जैन, कोशा सोनी, श्रुति पेंढारकर रहे। अब ये टॉप 10 प्रतिभागी 22 जून को शाम 4 बजे कॉसमॉस मॉल में आयोजित ग्रैंड फिनाले में हिस्सा लेंगे, जहाँ लाइव कुकिंग राउंड होगा। इस राउंड में दर्शकों के सामने लाइव खाना बनाते हुए जजेस का दिल जीतना होगा। खाना खज़ाना प्रतियोगिता न सिर्फ़ एक मंच है, बल्कि एक अवसर है घरों की रसोई से निकलकर अपनी कला को एक नई पहचान देने का। जिसने मालवा क्षेत्र में स्वाद और प्रतिभा की एक नई लहर पैदा कर दी है। आयोजनकर्ताओं ने सभी को परिवार और दोस्तों के साथ इस अनोखे फिनाले का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हुए उज्जैन के इस स्वाद भरे त्योहार को मिलकर मनाने का अनुरोध किया है।

योग जीवन जीने की कला है– डॉ कल्पना सिंह

उज्जैन। योग जीवन जीने की कला है। विश्व योग दिवस के अवसर पर देश भर में 01 लाख संस्थाएं कार्यक्रम आयोजित करने जा रही हैं। माधव कॉलेज में इसे स्वच्छता योग और हरित योग के रूप में भी मनाया जा रहा है। हम इस कार्यक्रम में शामिल हो कर कई पौधे लगाएंगे। माधव कॉलेज में अधिक ऑक्सीजन प्रदान करने वाले पौधे भी लगाए जाएंगे। हम एक अच्छा उद्यान भी विकसित कर रहे हैं। हरित योग और स्वच्छता योग, दोनों साथ ही चल रहे हैं। हरित योग के अन्तर्गत बी एच यू से पधारे डॉ पाण्डे के आतिथ्य में हमने कॉलेज में पौधे लगाए हैं।

ये उद्गार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस माधव कॉलेज में योग दिवस की तैयारी के लिए आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ कल्पना सिंह ने व्यक्त किए। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए उन्होंने कहा कि हमारे छात्र छात्राओं को 21 जून को होने वाले विश्व योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए। इस अवसर पर योगाचार्य डॉ मंजू तिवारी ने सभी को योग का अभ्यास करवाया। इस मौके पर कई छात्र छात्र छात्राएं मौजूद रहे। स्वागत वक्तव्य दिया डॉ शोभा मिश्र ने। डॉ ममता पंवार ने संयोजक के रूप में कार्य किया। डॉ जफर मेहमूद ने संचालन किया। डॉ बी एस अखण्ड, डॉ केशव मणि शर्मा, प्रो आयशा सिद्दीकी, प्रो आयुषी सूर्यवंशी, प्रो रफ़ीक नागौरी, डॉ नलिनी तिलकर, प्रो चिंतामणि सूर्यवंशी आदि मौजूद रहे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com